शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

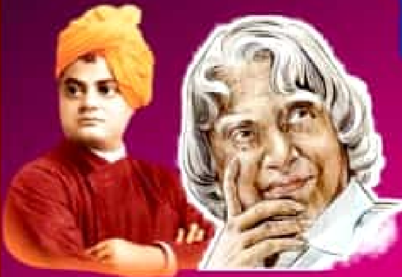

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

सृजन बालगीत, रविवार, 30.05.2021

शैक्षिक बाल गीतों का संकलन

काव्यांजलि

दैनिक सृजन टीम

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ। # 9458278429

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 18 दिनांक- 30-05-2021 रविवार

मेरे दादा दादी

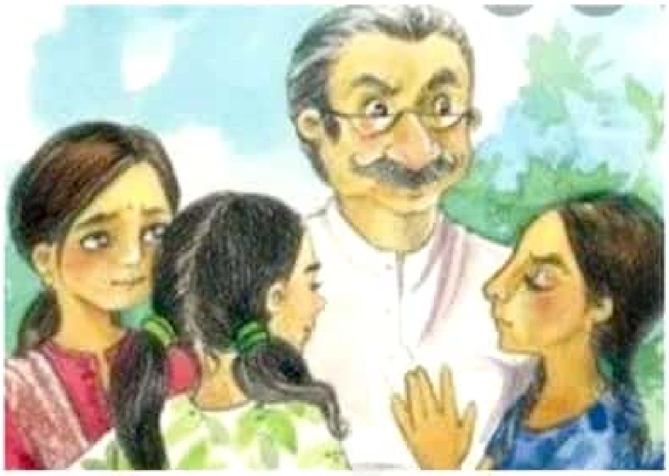

एक हैं मेरे दादा,
एक हैं मेरी दादी।
दोनों ने घर आकर,
खुशियाँ ला दी।।

दादा मेरे सुबह शाम,
करते खूब व्यायाम।
दादी अचार बनाती,
कभी पापड़ सुखाती।।

दोनों अच्छी बात बताते,
प्यार हमसे खूब जताते।
जब हम सोने जाते,
हमें कहानी खूब सुनाते।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 19 दिनांक-30/05/2021 रविवार

पिकनिक

चलो चलें, पिकनिक पर बच्चों
मिलकर सबके साथ।
घूमें नाचें मौज मनाएँ
लें हाथों में हाथ।।

स्नैक्स, चाकलेट खायें हम सब
और उड़ायें खूब मजे।
पढ़ने की भी टेन्शन न हो
शाम के चाहे चार बजें।।

मम्मी, पापा, भैया, दादी,
सबके संग में जाना है।
मौज मनाकर सबको लेकर,
पिकनिक से घर आना है।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा, बिसवाँ, सीतापुर

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
Mission Shikshan Samvad
आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..
सृजन बाल गीत 20 दिनांक- रविवार, 30/05/2021

आम

आम फलों का राजा है,
लगता कितना प्यारा है।
रंग है इसका पीला- पीला,
खाने में लगता रसीला।।

डाली पर इतराता है,
हाथ मुन्नी के नहीं आता है।
दादी आओ, तोड़ो आम,
टोकरी भरकर दे दो आम।।

नन्हीं आओ, चुन्नी आओ,
साथ में मोनू को लाओ।
मिलकर हम सब खाएँगे,
खूब बड़े बन जाएँगे।

रचना-
रचना रानी शर्मा(स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..
Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 21 दिनांक- रविवार, 30/05/2021

बादल छाए

आसमान में बादल छाए,
सब बच्चों के मन को भाए।
मिट्टी में ज्यों पड़ी फुहारें,
भीनी-भीनी खुशबू आए।।

मेंढक, केंचुआ, झिंगुर, घोंघे,
बिल से अपने बाहर आए।
बाहर निकलूँ, मैं भी खेलूँ ,
मेरा भी तो मन ललचाए।।

रचना-

स्नेहलता (स०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

चन्दा मामा

चन्दा मामा, चन्दा मामा,
दूर कहाँ तुम रहते हो।
हम सब बच्चे तुम्हें बुलाते,
क्यों नहीं कुछ भी कहते हो।।

जब भी देखो रूप तुम्हारा,
कितना निर्मल लगता है।
कितना शीतल, कितना पावन,
कितना उज्जवल लगता है।।

रचना-
भावना शर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
Mission Shikshan Samvad
आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..
सृजन बाल गीत 23 दिनांक- रविवार, 30/05/2021

अपनी रेल

आओ मिलकर खेलें खेल,
चलती जाए अपनी रेल ।
भैया इंजन हम सब डब्बे,
सरपट भागे अपनी रेल।।

छुक-छुक कर चलती जाए,
सीटी मारे शोर मचाए।
पटरी पर यह चलती जाए,
स्टेशन आने पर रुक जाए।।

रचना-
प्रतिभा यादव (स॰अ॰),
प्राथमिक विद्यालय चौरादेव
पुवॉरका, सहारनपुर

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

तोता

तोता हूँ, मैं तोता हूँ,
हरे रंग का तोता हूँ।
लाल मिर्ची खाता हूँ,
बच्चों को खूब लुभाता हूँ।।

तोता हूँ, मैं तोता हूँ,
पेड़ की डाल पर बैठा हूँ।
मीठे आम खाता हूँ,
मिठ्ठू-मिठ्ठू करता हूँ।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

Scanned with Can

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
Mission Shikshan Samvad
आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..
सृजन बाल गीत 25 दिनांक- 30.05.2021, रविवार

मेरे मामा

मामा मेरे घर आए हैं,
लड्डू पेड़ा संग लाए हैं।
मामा मेला ले जाएँगे ,
सर्कस हमको दिखलाएँगे।।

सर्कस में देखा शेर सामने,
मोनू थर-थर लगा काँपने।
मामा ने मोनू को समझाया,
बड़े प्यार से उसे मनाया।।

रचना- मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट वि० पूठी
क्षेत्र- किला परीक्षितगढ़, मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 26 दिनांक- 30.05.21, रविवार

सूरज

सूरज एक बड़ा है तारा,
देता हमको सदा सहारा।
अंधकार को दूर भगाता,
हम सबके मन को है भाता।।

सुबह सुबह पूरब से आता,
शाम ढले पश्चिम को जाता।
ऊर्जा का है ये भंडार,
हमको शक्ति देता अपार।।

इसके आने की आहट पर,
चिड़ियाँ चूं चूं करती उठकर।
सारी सृष्टि लेती अंगडाई,
उठो बच्चों अब छोडो चारपाई।।

रचना
रूपी त्रिपाठी (स० अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी,
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

मिशन शिक्षण संवाद

सृजन बाल गीत 27 दिनांक-

बचपन की यादें

बचपन का वो प्यारा जमाना ,
जिसमें था खुशियों का खजाना।
जिसमें बहती थी प्यारी कस्ती,
और जहाँ होती थी खूब मस्ती॥

वो थककर स्कूल से आना,
और माँ का हाथों से खिलाना।
पापा का काँधे पर बिठाना,
और फिर मेले में सैर कराना॥

भईया संग लड़ाईयाँ थी,
जहाँ दादी की थपकी थी।
ग़म की ना परछाइयाँ थी,
बस परियों की कहानी थी।

रचना

शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ०प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 28 दिनांक- रविवार 30/05/2021

फलों का राजा आम

मैं हूँ फलों का राजा आम,
स्वाद-सेहत देना मेरा काम।
मुझमें मिलता विटामिन सी,
सब खूब मज़े से खाओ जी।।

मेंगीफेरा इंडिका वैज्ञानिक नाम,
मैं रस से भरा रसीला आम।
मिला है मुझे राष्ट्रीय पेड़ का दर्जा,
स्वाद का मेरे हर जगह है चर्चा।।

दशहरी, सुन्दरी, आम्रपाली, लंगड़ा,
तोतापरी, फजली, चौसा, मालदा।
बहुत सारे हैं मेरे नाम,
खूब खाओ और करो मेरा गुणगान।।

रचना

रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

मैडम जी

मैडम जी स्कूल आती हैं,
हमको बहुत प्यार करतीं हैं।
खूब बढ़िया कविता सुनाकर,
ज्ञान बहुत हमारा बढ़ाती हैं।।

जन्मदिन जब हमारा आता,
उसको खुशी से मनाती हैं।
स्कूल में केक काटकर,
सब बच्चों को बाँटती हैं।।

रचना- माला सिंह (स०अ०)
क०वि० भरौटा
वि० क्षेत्र- सरधना, मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 30 दिनांक- 30/05/2021,रविवार

फूल खिले कितने सारे,
लगते मेरे मन को प्यारे।
मेरा बाग बनाएं सुन्दर,
जैसे आसमान के तारे।।

कोई नीला, कोई पीला,
कोई लाल, कोई चमकीला।
कोई सफेद तो कोई गुलाबी,
भगवन की ये अद्भुत लीला।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा 0वि0मुकन्दपुर
लोधा,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
Mission Shikshan Samvad
आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..
सृजन बाल गीत 31 दिनांक-30.05.2021, रविवार

चिंकू-पिंकू

चिंकू-पिंकू चले बाजार,
मन में उठी खुशी की फुहार।
खिलौने की दुकानें देखकर,
उन्होंने ताली बजायी कई बार।।

आगे देखी मिठाई की दुकान,
बन रहे थे मनचाहे पकवान।
गरमा-गरम जलेबी देखकर,
खाने को मन ने भरी उड़ान।।

रचना- रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..
Scanned with Car

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 32 दिनांक- 30.05.2021 रविवार

स्वर गीत

अ से अनार लाल रंग इसका होता,
खट्टा मीठा रस होता।
आ से आम हरा पीला रंग होता
मैंगो सैक रसीला होता।।

इ से इमली भूरा रंग इसका होता,
विटामिन सी भरपूर होता।
ई से ईख में लम्बे कद में होता,
मीठा-मीठा रस होता।।

रचना
ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय खाता
वि०क्षे०-मवाना, जनपद-मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 33 दिनांक- 30-05-2021 रविवार

तारों से गप्पें

सोनू बोला तारे से,
खूब चमकते प्यारे से।
थोड़ा मेरे साथ भी आओ,
मीठी-मीठी बात सुनाओ।।

हम भी तुम्हारी तरह चमकेंगे,
सब के मन को भायेगें।
तारे बोले सुन-सुन सोनू,
हम तो दूर बहुत हैं तुमसे।।

अगर हमारी तरह है बनना,
तो खूब पढ़ाई करते रहना।
तुम भी धरा के सितारे बनोगे,
ज्ञान से सबको प्रकाशित करोगे।।

रचना-
अनीता जोशी(स०अ०)
रा०उ०प्रा०वि० तिमली।
वि०ख०- नरेन्द्र नगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 34 दिनांक- 30.05.2021, रविवार

बालक और पौधे

बच्चे नन्हें फूल से,
घर-बगिया की शान।
सींच रहे हैं यह धरा,
दाता पौधे जान।।

नन्हें-नन्हें हाथ हैं,
नन्हें पग औ चाल।
पौध लगा कर कर रहे,
देखो बड़े कमाल।।

संगी साथी साथ ले,
होंठों पर मुस्कान।
बागवानी में जुट गए,
कृषक स्वयं को मान।।

बच्चा-बच्चा दे रहा,
धरती को सम्मान।
भावी पीढ़ी पर रहा,
सब को ही अभिमान।।

रचना- रानी इन्दु (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जोया
अमरोहा, अमरोहा

मिशन शिक्षण संवाद — शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
Mission Shikshan Samvad
आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..
सृजन बाल गीत 35 दिनांक- 30.05.2021, रविवार

बस्ता

मुझे अपना बस्ता बहुत है भाता,
इसमें मेरा हर सामान आ जाता।
रंग-बिरंगी किताबें चित्रों से भरी हैं।
टिफिन में रोटी, चावल, कढ़ी है।।

कॉपी मेरे बैग की शोभा बढ़ाए,
लिखने में जो मेरे काम आये।
रबड़, पेंसिल, कटर भी जरूरी है,
क्योंकि इनके बिना पढ़ाई अधूरी है।।

रचना:
रचना सिंह वानिया
प्रा० वि० आलमपुर बुजुर्ग
वि० क्षेत्र- रजपुरा (मेरठ)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
Mission Shikshan Samvad
आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 36 दिनांक- 30/05/2021

मोर

नाच-नाच कर झूमता मोर,
नाना रंग दिखाता मोर।
बच्चों का मन बहलाता मोर,
जल्दी-जल्दी दौड़ लगाता मोर।।

वन-वन शोभित होता मोर,
सावन में खुश होता है मोर।
सुन-सुनकर बादल का शोर,
अपना नाच दिखाता मोर।।

रचना- निकिता (छात्रा)
उच्च प्रा० वि० अमौली(1-8)
अमौली, फतेहपुर

किसी भी सुझाव, शिकायत के लिए 9458278429 पर व्हाट्सएप करें..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 37 दिनांक- 30.05.2021 रविवार

होली

होली आयी, होली आयी,
जीवन में यह खुशियाँ लायी।
होली बहुत मन को हर्षाए,
इसमें हम सब रंग जाएँ।।

एक दूसरे को गुलाल लगाएँ,
होली हम सब मिलकर मनाएँ।
पापड़ खाएँ, गुझिया खाएँ,
और सभी मिल धूम मचाएँ।।

चारों ओर रंग फैलाएँ,
सूरत सबकी मन को भाये।
होली आयी, होली आयी,
जीवन में यह खुशियाँ लायी।।

रचना- आकांक्षा (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
क्षेत्र- अमौली, जनपद- फतेहपुर

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

सृजन बालगीत

रविवार, 30.05.2021

रचनाकारों की सूची

18- ज्योति सागर, बागपत
19- शिखा वर्मा, सीतापुर
20- रचना रानी शर्मा, मेरठ
21- स्नेहलता, मेरठ
22- भावना शर्मा, मेरठ
23- प्रतिभा यादव, सहारनपुर
24- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
25- मोना शर्मा, मेरठ
26- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात
27- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
28- रूखसाना बानो, मिर्जापुर
29- माला सिंह, मेरठ
30- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
31- रीना काकरान, मेरठ
32- ऊषा रानी, मेरठ
33- अनीता जोशी, टिहरी गढ़वाल
34- रानी इन्दु, अमरोहा
35- रचना सिंह वानिया, मेरठ
36- कु० निकिता (छात्रा), फतेहपुर
37- कु० आकांक्षा (छात्रा), फतेहपुर

तकनीकी सहयोग

1- जितेन्द्र कुमार, बागपत

2- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन

काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम

Scanned with Cam